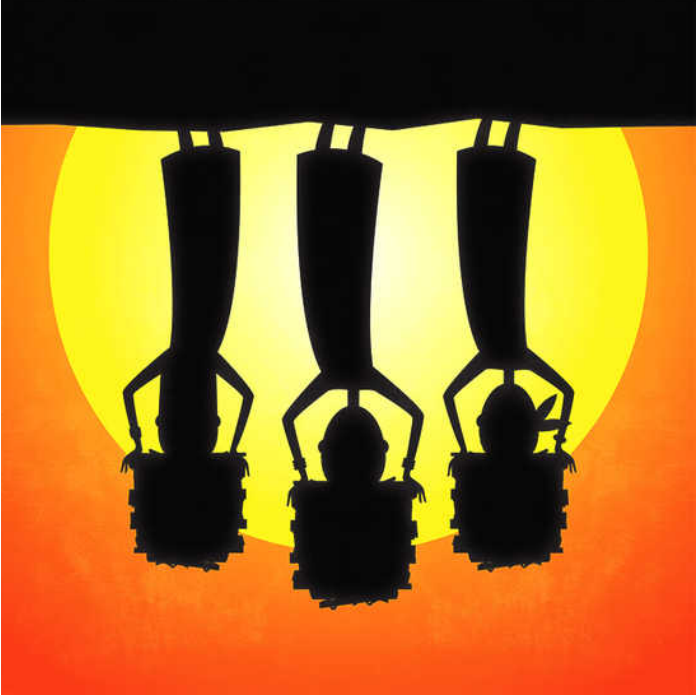




✎ Tessa Welch  
🔗 Wiehan de Jager  
🗨️ Nandani  
🗣️ Hindi  
📖 Level 3



नाचिबले और उसके तीन बाल

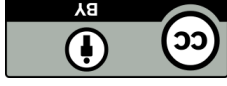


香港故事書

[global-asp.github.io/storybooks-hongkong](https://global-asp.github.io/storybooks-hongkong)  
नाचिबले और उसके तीन बाल

Written by: Tessa Welch  
Illustrated by: Wiehan de Jager  
Translated by: Nandani

This story originates from the African Storybook ([africanstorybook.org](https://africanstorybook.org)) and is brought to you by 香港故事書 in an effort to provide children's stories in 香港's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons Attribution 3.0 International License.  
<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>



बहुत समय पहले की बात है, तीन लड़कियाँ लकड़ी इकट्ठा करने बाहर गईं।

उस दिन बहुत गर्मी थी इसलिए वे नदी में डूबने चली गई।  
उन्होंने पानी में खेला, छींटे उड़ायें और तैराकी की।



फिर कुत्ते को पता चल गया कि नौजवान ने उसे छला है। यह  
पता चलते ही वह गूँव की तरफ दौड़ा पड़ा। लेकिन नौजवानने  
के आँकड़े अपने हाथों में बड़े - बड़े डंडों के साथ उसका डंतजारा  
कर रहे थे। उन्हें देखकर कुत्ता वापस मुँडकर भाग गया और  
फिर कभी भी दिखाई नहीं दिया।





अचानक, उन्हें लगा कि बहुत देर हो चुकी है। वे जल्दी-जल्दी गाँव की तरफ़ लौटने लगीं।



जब कुत्ता लौटकर वापिस आया, उसने नोज़िबेले को ढूँढ़ा। “नोज़िबेले कहाँ हो तुम?” वह चिल्लाया। “मैं यहाँ हूँ, बिस्तर के नीचे,” पहले बाल ने कहा। “मैं यहाँ हूँ, दरवाजे के पीछे,” दूसरे बाल ने बोला। और तीसरे बाल ने कहा “मैं यहाँ हूँ, बाड़े में”।

नहीं जा सकती।

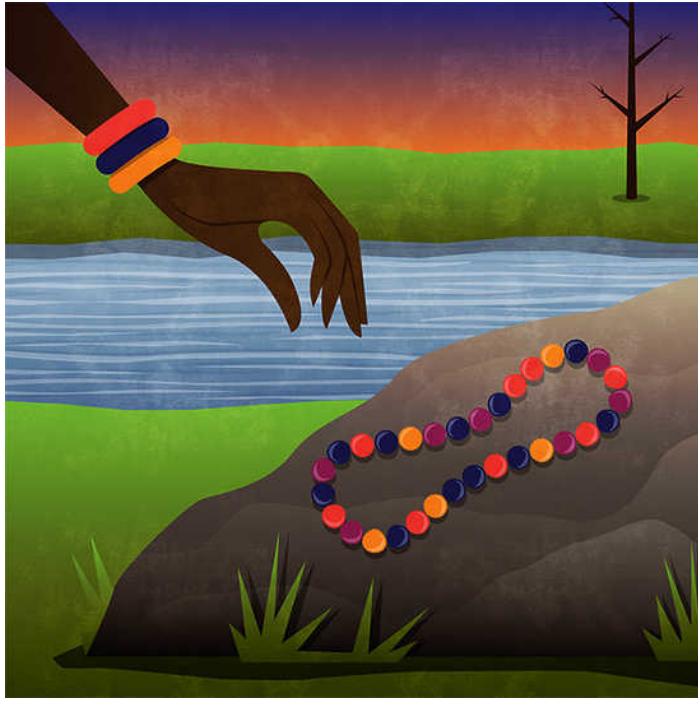
जब वे लगभग घर के पास पहुँच गईं, नज़िबत ने अपना गले  
पर हाथ लगाया। उसे एकसास हुआ कि वह अपने गले का  
हज़र वही भूल आयी थी। उसने अपनी सहेलियाँ से निवेदन  
किया कि "कृपया मेरे साथ वापस चलो।" लेकिन उसकी  
सहेलियाँ ने कहा कि अब बहुत देर हो गई है, वे उसके साथ



है कि कितना गया, नज़िबत ने अपने घर से तीन बाल लीं।  
एक बाल को उसने बिस्तर के नीचे रख दिया, एक को दरवाज़े  
के पीछे और एक को बाड़े में रख दिया। फिर जिनगी तैयारी से  
वह भाग सकती थी अपने घर की तरफ भागी।







इसलिए नोज़िबेले अकेले ही नदी की तरफ़ चली गई। उसे अपना हार मिल गया और वो जल्दी-जल्दी घर की ओर लौटने लगी। लेकिन वह अँधेरे में रास्ता भटक गई।



हर रोज़ वह कुत्ते के लिए खाना बनाती, झाड़ू लगती और धोती। फिर एक दिन कुत्ते ने कहा, “नोज़िबेले, आज मैं अपने कुछ दोस्तों के घर जा रहा हूँ। मेरे आने से पहले घर में झाड़ू लगा देना, खाना बना देना और मेरा सामान धो देना।”





अंदर से एक कुत्ते ने दरवाज़ा खोला। कुत्ते को देख कर वह चौंक गई। कुत्ते ने पूछा “तुम्हें क्या चाहिए?” नोज़िबेले ने कहा “मैं खो गई हूँ और मुझे सोने के लिए जगह चाहिए”। उसकी बात सुनकर कुत्ते ने कहा “अंदर आ जाओ, नहीं तो मैं तुम्हें काटूँगा!”। यह बात सुनकर नोज़िबेले अंदर चली गई।



फिर कुत्ते ने कहा, “मेरे लिए खाना बनाओ!”। “लेकिन मैंने कभी भी किसी कुत्ते के लिए खाना नहीं बनाया है,” उसने उत्तर दिया। कुत्ते ने फिर कहा “खाना बनाओ, नहीं तो मैं काटूँगा!”। यह सुनकर नोज़िबेले ने कुत्ते के लिए कुछ खाना बना दिया।